“मेसोपोटामिया में एक नहीं, अनेक सभ्यताओं का उत्थान एवं पतन हुआ था” — पूर्णतः सत्य है।
मेसोपोटामिया विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता का क्षेत्र होने के बावजूद, यहाँ एकल संस्कृति या राज्य नहीं था, बल्कि समय-समय पर कई स्वतंत्र और शक्तिशाली सभ्यताएँ उभरीं, फली-फूलीं और अंततः पतन को प्राप्त हुईं।
नीचे इसका क्रमबद्ध विवेचन प्रस्तुत है —

---

1. भौगोलिक पृष्ठभूमि

मेसोपोटामिया — टाइग्रिस और यूफ्रेटीज़ नदियों के बीच स्थित उपजाऊ क्षेत्र — ऐसा स्थान था जहाँ बार-बार नई जातियाँ आकर बसती रहीं।
इसलिए यहाँ एक निरंतर संस्कृति-परिवर्तन (Cultural Continuity and Change) की प्रक्रिया चलती रही।

---

2. सुमेरी सभ्यता (Sumerian Civilization) — लगभग 3500 ई.पू.

यह मेसोपोटामिया की सबसे प्राचीन सभ्यता थी।

उर, उरुक, लगश, किश आदि नगर-राज्य (City-States) इसके केंद्र थे।

सुमेरियों ने कीलाक्षर लिपि (Cuneiform Script) का विकास किया और ज़िगुरैट मंदिरों का निर्माण किया।

आंतरिक संघर्षों और बाहरी आक्रमणों से यह सभ्यता धीरे-धीरे समाप्त हो गई।

---

3. अक्कादी सभ्यता (Akkadian Civilization) — लगभग 2300 ई.पू.

सर्गन महान (Sargon the Great) ने सुमेर को एकीकृत कर पहला साम्राज्य बनाया।

अक्कादी भाषा और संस्कृति फैली, किंतु लगभग 2100 ई.पू. में आंतरिक विद्रोहों और गुटीय संघर्षों से यह साम्राज्य टूट गया।

---

4. उर का नव-सुमेरी काल (Neo-Sumerian Period) — लगभग 2100–2000 ई.पू.

उर के राजाओं ने सुमेर की परंपराओं को पुनर्जीवित किया।

कृषि, सिंचाई और कानूनों में सुधार हुए।

लेकिन यह पुनरुत्थान भी अल्पकालिक रहा; अमोराइट्स नामक नए समूह ने इसे समाप्त कर दिया।

---

5. बेबीलोनियन सभ्यता (Babylonian Civilization) — लगभग 1800–1500 ई.पू.

हमुराबी (Hammurabi) ने बेबीलोन को राजधानी बनाकर साम्राज्य खड़ा किया।

उसका हमुराबी संहिता (Code of Hammurabi) विश्व की पहली लिखित कानून प्रणाली थी।

हमुराबी के बाद राज्य कमजोर पड़ा और हित्ती तथा कस्साइट जातियों के आक्रमणों से इसका पतन हुआ।

🛡️ 6. असीरियन सभ्यता (Assyrian Civilization) — लगभग 1100–612 ई.पू.

यह सभ्यता अपनी सैन्य शक्ति, प्रशासनिक संगठन और राजधानी निनवेह (Nineveh) के लिए प्रसिद्ध थी।

असीरियों ने पूरे पश्चिम एशिया पर प्रभुत्व जमाया, परंतु अत्याचार और विद्रोहों के कारण उनका साम्राज्य भी अंततः नष्ट हो गया।

---

7. नव-बेबीलोनियन (Neo-Babylonian) या चाल्डियन साम्राज्य — लगभग 612–539 ई.पू.

नबूखदनेज़र द्वितीय (Nebuchadnezzar II) के समय बेबीलोन पुनः समृद्ध हुआ।

“हैंगिंग गार्डन्स” (झूलते बाग़) इसी युग में बने माने जाते हैं।

लेकिन 539 ई.पू. में फारसी राजा साइरस महान ने बेबीलोन पर विजय प्राप्त कर इस युग का अंत कर दिया।

---

8. निरंतर उत्थान-पतन का कारण

क्षेत्र की खुली भौगोलिक स्थिति — जिससे बार-बार बाहरी आक्रमण हुए।

नगर-राज्यों के बीच लगातार प्रतिद्वंद्विता और युद्ध।

प्राकृतिक संसाधनों की सीमाएँ और बाढ़ से होने वाले विनाश।

सांस्कृतिक विविधता — जिसने एकता के बजाय कई केंद्र बनाए।

---

9. निष्कर्ष

मेसोपोटामिया में सभ्यता का विकास एक निरंतर प्रवाह था —
जहाँ एक सभ्यता का पतन, दूसरी के उदय का आधार बनता गया।
इसलिए इसे “सभ्यताओं का संगम स्थल (Meeting Ground of Civilizations)” भी कहा जाता है।
यहाँ सुमेर से लेकर नव-बेबीलोन तक अनेक सभ्यताओं ने मानवता की प्रगति में योगदान दिया —
और यही तथ्य इस कथन को पूर्ण अर्थ में सत्य सिद्ध करता है कि